NAVYA 2.0: 100 जिलों में बेटियों के हुनर का दूसरा पड़ाव

समाचार-संदर्भ: 27 नवंबर की घोषणा; 28 नवंबर 2026, दोपहर 3:30 बजे प्रस्तावित शुभारंभ

प्रकाशन: 28 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण और सरकारी पहल



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

1. खबरों में क्यों
2. परिचय
3. पायलट चरण: सोनभद्र का अनुभव
4. NAVYA 2.0 में क्या नया
5. तकनीक से क्रियान्वयन: Skill India Digital Hub
6. आगे की राह
7. प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
8. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
9. स्रोत

खबरों में क्यों

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (MSDE) 28 नवंबर 2026 को उत्तराखंड संस्कृत अकादमी सभागार, हरिद्वार में **NAVYA 2.0** का संयुक्त शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी और उत्तराखंड की मंत्रियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे। इसी अवसर पर उत्तराखंड में **सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों** और PM JANMAN के

तहत बने नए आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन तथा PMKVY के प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे।

परिचय

NAVYA का पूरा रूप है — *Nurturing Aspirations through Vocational Training for Young Women and Adolescent Girls*, यानी युवतियों और किशोरियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण द्वारा आकांक्षाओं का पोषण। यह MWCD और MSDE की **संयुक्त पहल** है, जो महिला-बाल विकास और कौशल विकास — दोनों पारिस्थितिकी तंत्रों की ताकत को जोड़ती है। इसकी मूल पहचान यह है कि सशक्तिकरण केवल प्रशिक्षण नहीं है; इसमें आकांक्षाओं का पोषण, आत्मविश्वास का निर्माण, क्षमता का विकास और भविष्य के बारे में सूचित निर्णय लेने की स्वतंत्रता — सब शामिल हैं।

पायलट चरण: सोनभद्र का अनुभव

- **शुभारंभ:** पायलट चरण **24 जून 2025** को उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र** से शुरू हुआ, जिसका लक्ष्य 19 राज्यों के **27 आकांक्षी जिलों** (Aspirational Districts) को कवर करना था। **आकांक्षी जिला** वह जिला है जो विकास के मुख्य संकेतकों पर पिछड़ा हो और जिसे विशेष सहायता दी जाती है।
- **प्रशिक्षण:** लगभग **1,200 किशोरियों** को उद्योग-संगत नई भूमिकाओं — जैसे **ड्रोन निर्माण एवं असेंबली तकनीशियन**, **सोलर PV इंस्टॉलेशन हेल्पर** और **फैशन डिज़ाइनर** — में प्रशिक्षित किया गया।
- **कौशल से आगे:** पहल में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, करियर-तैयारी और उद्यमिता पर भी बल दिया गया, ताकि किशोरियों का आत्मविश्वास और सामाजिक-आर्थिक स्वावलंबन मजबूत हो।

संबंधित लेख: **कौशल दीक्षांत: ITI से काम की दुनिया तक**

NAVYA 2.0 में क्या नया

- **विस्तार:** पहल अब **24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिलों** तक पहुँचेगी, जिनमें आकांक्षी और दुर्गम (hard-to-reach) क्षेत्रों पर विशेष ध्यान होगा।
- **आयु-सीमा:** पात्र आयु वर्ग **16-18 वर्ष** से बढ़ाकर **16-25 वर्ष** किया गया है, जिससे किशोरियों के साथ युवतियों का एक बड़ा समूह भी इसके दायरे में आएगा।
- **प्रशिक्षण की दिशा:** उद्योग-संगत, नये युग की (new-age) और गैर-परंपरागत (non-traditional) भूमिकाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण का अधिक अवसर; रोज़गार, **शिक्षुता** (apprenticeship — काम के साथ सीखने की व्यवस्था) और उद्यमिता के मार्ग मजबूत होंगे।
- **क्रियान्वयन का ढाँचा:** संस्थागत **अभिसरण** (convergence — कई विभागों का एक लक्ष्य पर समन्वित कार्य), जिला-स्तरीय समन्वित क्रियान्वयन और परिणाम-आधारित सहायता पर बल; प्रभावी समन्वय के लिए एक संरचित **प्रमाणित प्रचालन प्रक्रिया (SOP)** भी लागू की गई है।

तकनीक से क्रियान्वयन: Skill India Digital Hub

- **SIDH** (Skill India Digital Hub) इस पहल का डिजिटल मंच होगा — नामांकन से प्रशिक्षण और प्रमाणन तक की पूरी यात्रा इसी से जुड़ेगी।
- लाभार्थियों के पंजीकरण, उपस्थिति, प्रशिक्षण-प्रगति और प्रमाणन की **रीयल-टाइम ट्रैकिंग** संभव होगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।
- **डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य प्रमाणपत्र** (digitally verifiable credentials) अभ्यर्थियों को अपने कौशल प्रदर्शित करने में मदद करेंगे।

संबंधित लेख: **बाल विवाह मुक्त भारत: दो वर्ष और अंतर्राष्ट्रीय पहचान**

आगे की राह

NAVYA 2.0 की सफलता का ताजमहल उसकी जिला-स्तरीय क्रियान्वयन-क्षमता होगी — आकांक्षी और दुर्गम क्षेत्रों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोज़गार/शिक्षुता से वास्तविक जुड़ाव और SOP के अनुसार अभिसरण सुनिश्चित करना। 'महिला-संचालित विकास' (women-led development) की दिशा में यह पहल आकांक्षाओं को अवसरों में और अवसरों को सशक्तिकरण में बदलने का दावा करती है; आँकड़ों की निगरानी और परिणाम-मूल्यांकन ही बताएंगे कि यह दावा कितना सच हुआ।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. 'NAVYA' पहल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: इसके पायलट चरण की शुरुआत जून 2025 में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से हुई थी

कथन 2: NAVYA 2.0 में पात्र आयु वर्ग 16-18 वर्ष से बढ़ाकर 16-25 वर्ष कर दिया गया है

कथन 3: यह केवल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित योजना है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

कथन 1 सही है: पायलट चरण 24 जून 2025 को सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) से शुरू हुआ, जिसमें 19 राज्यों के 27 आकांक्षी जिले कवर किए जाने थे।

कथन 2 सही है: NAVYA 2.0 में पात्र आयु 16-18 वर्ष से बढ़ाकर 16-25 वर्ष की गई है।

कथन 3 गलत है: NAVYA महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की संयुक्त पहल है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्रश्न 1. NAVYA 2.0 में नामांकन और प्रमाणन कैसे होगा?

Skill India Digital Hub (SIDH) मंच के माध्यम से — नामांकन से प्रशिक्षण और प्रमाणन तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, और अभ्यर्थियों को डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य प्रमाणपत्र मिलेंगे।

प्रश्न 2. NAVYA के पायलट चरण में किन भूमिकाओं का प्रशिक्षण दिया गया था?

पायलट चरण (जून 2025, सोनभद्र) में लगभग 1,200 किशोरियों को ड्रोन निर्माण एवं असेंबली तकनीशियन, सोलर PV इंस्टॉलेशन हेल्पर और फैशन डिज़ाइनर जैसी उद्योग-संगत भूमिकाओं में प्रशिक्षित किया गया, साथ ही डिजिटल-वित्तीय साक्षरता और करियर-तैयारी पर भी काम हुआ।

प्रश्न 3. NAVYA 2.0 का लक्ष्य-क्षेत्र क्या है?

24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिले, जिनमें आकांक्षी और दुर्गम क्षेत्रों पर विशेष ध्यान है; पात्र आयु वर्ग अब 16-25 वर्ष है।

स्रोत

1. प्रेस विज्ञप्ति: MWCD और MSDE का NAVYA 2.0 लॉन्च (28 नवंबर 2026, हरिद्वार) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2342417&lang=1&reg=3

PCSMANTRA.COM